

The Hans 27-April-2021

THE
HANS INDIA

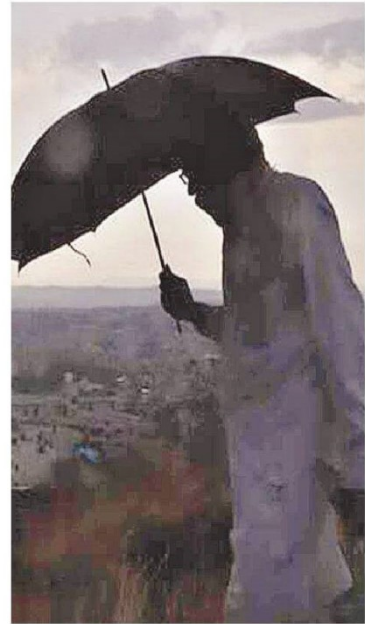
IMD predicts wet spell over several parts of country

NEW DELHI

THE India Meteorological Department (IMD) on Monday predicted a wet spell over several parts of the country, including central, south and northeast India, from April 26 to 30.

Thunderstorms with lightning and gusty winds (speed reaching 30-40 kilometres per hour) are very likely at isolated places over Telangana, Kerala and Mahe from April 26. Lightning at isolated places over Gangetic West Bengal, Andaman and Nicobar Islands, central Maharashtra, Marathawada, Rayalaseema, south interior Karnataka and Tamil Nadu, Puducherry and Karaikal on Monday. Heat wave conditions are very likely in isolated pockets over Gujarat and coastal Odisha, the IMD added.

On April 27, thunderstorms with lightning and gusty winds (speed reaching 30-40 kmph) are very likely at isolated places over Uttarakhand, Assam, Meghalaya, central Maharashtra, Marathawada, Telangana, Kerala and Mahe. Lightning is also likely at isolated places over Jammu, Kashmir, Ladakh, Gilgit-Baltistan, Muzaffarabad, HP, Gangetic West Bengal, Odisha, Arunachal Pradesh, Nagaland, Manipur, Mizoram, Tripura, Konkan, Goa, coastal AP, Yanam, Rayalaseema, south Interior Karnataka and Tamilnadu, Puducherry and Karaikal. On April 28, thunderstorms with lightning are likely over Uttarakhand, Chhattisgarh, Vidarbha, sub-Himalayan West Bengal, Sikkim, Arunachal Pradesh, Assam, Meghalaya, central Maharashtra, Marathawada, Telangana, Kerala and Mahe.



Millennium Post 27-April-2021

IMD predicts wet spell over several parts of country

Thunderstorms with lightning and gusty winds (speed reaching 30-40 kms per hour) very likely at isolated places over Telangana, Kerala

OUR CORRESPONDENT

NEW DELHI: The India Meteorological Department (IMD) on Monday predicted a wet spell over several parts of the country, including central, south and northeast India, from April 26 to 30.

Thunderstorms with lightning and gusty winds (speed reaching 30-40 kilometres per hour) are very likely at isolated places over Telangana, Kerala and Mahe from April 26.

Lightning at isolated places over Gangetic West Bengal, Andaman and Nicobar Islands, central Maharashtra, Marathawada, Rayalaseema, south interior Karnataka and Tamil Nadu, Puducherry and Karaikal on Monday.

Heat wave conditions are very likely in isolated pockets over Gujarat and coastal Odisha, the IMD added. On April 27, thunderstorms with lightning and gusty winds (speed reaching 30-40 kmph) are very likely at isolated places over Uttarakhand, Assam,



A boy dives the water to beat the afternoon heat, at Cuff Parade in Mumbai, on Monday

PTI

Meghalaya, central Maharashtra, Marathawada, Telangana, Kerala and Mahe.

Lightning is also likely at isolated places over Jammu, Kashmir, Ladakh, Gilgit-Baltistan, Muzaffarabad, Himachal Pradesh, Gangetic West Bengal, Odisha, Arunachal Pradesh, Nagaland, Manipur, Mizoram,

Tripura, Konkan, Goa, coastal Andhra Pradesh, Yanam, Rayalaseema, south Interior Karnataka and Tamilnadu, Puducherry and Karaikal.

On April 28, thunderstorms with lightning are likely over Uttarakhand, Chhattisgarh, Vidarbha, sub-Himalayan West Bengal, Sikkim, Arunachal

Pradesh, Assam, Meghalaya, central Maharashtra, Marathawada, Telangana, Kerala and Mahe.

Heavy rainfall is likely at isolated places over south interior Karnataka and north Kerala on April 28.

According to the IMD, thunderstorms with lightning

and gusty wind (speed reaching 30-40 kmph) are likely at isolated places over Uttarakhand, Vidarbha, Chhattisgarh, West Bengal, Sikkim, Odisha, Arunachal Pradesh, Assam, Meghalaya, coastal Andhra Pradesh, Yanam, Telangana, Kerala and Mahe and with lightning at isolated places over Jammu and Kashmir, Ladakh, Gilgit-Baltistan, Muzaffarabad, Himachal Pradesh, Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura, Rayalaseema, coastal and south interior Karnataka, Lakshadweep and Tamilnadu, Puducherry and Karaikal on April 29.

On April 30, thunderstorms with lightning and gusty winds are likely over Uttarakhand, Vidarbha, Chhattisgarh, West Bengal, Sikkim, Odisha, Arunachal Pradesh, Assam, Meghalaya, coastal Andhra Pradesh, Yanam, Telangana, Kerala and Mahe.

On the same day, heavy rainfall is likely at isolated places over south interior Karnataka and north Kerala, the IMD added.

Dainik Jagran 27-April-2021



● पानी के संरक्षण की बात कैसे सुझी?

-पड़न खोदने से पहले मैं जंगल में ही पशुओं को चराने के लिए ले जाता था। उस समय 40 साल के रहे होंगे। अपने गांव में मकई, बाजरा और महुआ की खेती होती थी। पानी के अभाव में धान की खेती नहीं होती थी। मैंने सोचा अगर पहाड़ का पानी खेतों तक पहुंच जाए तो खेती आसान हो जाएगी और मजदूरों को यहीं काम मिल जाएगा।

● क्या गांव वालों से इस पर बात की? -(हंसते हुए) घर-परिवार, गांव के लोगों ने कहा कि मैं पागल जैसी बात करता हूं। पांच किलोमीटर पड़न खोदाई संभव नहीं है। हम अकेले निकल पड़े। कुदाल और झुरी लकड़ी की कड़ाही लेकर जंगल में

अगर सहेज लेंगे बूंद-बूंद पानी, तो नहीं होगी कभी परेशानी

अकेले दम 30 साल में पांच किलोमीटर तक पड़न (नहर) खोद देने वाले गया के जल प्रहरी लॉगी भुइया ने बताई जल संरक्षण की जरूरत

पढ़े-लिखे नहीं, पर प्रकृति का पूरा ज्ञान। जल की महत्ता क्या होती है और इसके संरक्षण की जरूरत क्यों है, यह प्रकृति की गोद में बैठकर ही सीख लिया। न कोई गुरु था, न ही यह सब बताने वाला कोई विज्ञानी, लेकिन पशु चराने वाले इस शख्स ने समाज को नायाब तोहफा दिया। तीस वर्षों तक लगातार गड़दे खोदते-खोदते करीब पांच किलोमीटर का पड़न (नहर जैसी संरचना) बना डाला। इन्हें पिछले ही साल महिंद्रा एंड महिंद्रा के चेयरमैन आनंद महिंद्रा की ओर से ट्रैक्टर देकर सम्मानित किया गया था। इनका नाम है लॉगी भुइया। बिहार के गया जिले के रहने वाले हैं। दैनिक जागरण के संवाददाता **देवनंदन प्रसाद** से उन्होंने साझा किए अपने अनुभव।



लॉगी भुइया के जन्मे को जागरण का सलाम ● जागरण

जल का जागरण

दैनिक जागरण के सात सरोकारों में जल संरक्षण बहुत खास है। पेयजल सहित अन्य जरूरतों के लिए बढ़ती पानी की किल्लत पर हम लगातार लोगों को पानी के संरक्षण के प्रति जागरूक कर रहे हैं। इस क्रम में जल और उसके स्रोतों के बचाने वालों की कहानी आप तक पहुंचा रहे हैं।



खोदाई करने लगे।

● इस काम के लिए प्रतिदिन कितना समय देते थे?

-सुबह से शाम तक अपने गांव जमुनिया आहर में घर के काम के अलावा चार से पांच घंटे का समय देते थे। कोई पैसा तो नहीं मिलना था, सो परिवार के लोग बोलते थे कि बिना पैसा के जिसके लिए

काम करते हो, उसी के घर जाकर खाना खा लेना। हम समझाते थे कि किसानों के खेत में पानी पहुंचा देंगे तो इससे सबको फायदा होगा।

● आगे क्या और भी कुछ करने की सोच है?

-हां! बरसात का पानी सहेजना जरूरी है। लुटुआ के सभी गांव में सिंचाई तभी हो सकेगी, जब जल

का भंडारण हो। जमीन के अंदर पानी होगा तो गर्मी में तरसना नहीं पड़ेगा।

● अभी आप क्या कर रहे हैं?

-प्रयास कर रहे हैं। आज भी कुदाल-फावड़ा लेकर जंगल से निकलने वाले पानी के भंडारण के लिए चेकडैम बना रहे हैं। अभी तक अकेले छह छोटे-छोटे चेकडैम बना चुके हैं।

● लोगों के लिए क्या संदेश देंगे?

-इसमें सबको जुटना होगा। सरकार को ऐसे स्थलों पर जल भंडारण की व्यवस्था करनी होगी, जहां पानी बेकार चला जाता है। हम बारिश का पानी बचा लें तो सारी समस्या दूर हो जाएगी। गांवों में, जंगल-पहाड़ में रहने वालों को पता है कि पानी का स्रोत कहां है, क्या किया जाए कि

फायदा हो। उनकी सलाह लें। गांव-शहर जहां भी लोग रह रहे हैं, पानी को सहेजने की कोशिश करें। आज नहीं करेंगे तो आने वाले समय में बड़ी परेशानी होगी।



स्कैन करें और पढ़ें 'सहेज लो, हर बूंद' अभियान की अन्य सामग्री।